भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
19.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2995 का उत्तर

दूरस्थ क्षेत्रों में रेल संपर्क

2995. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:
श्रीमती बिजुली कलिता मेधी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

देश के अल्पविकसित और सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेषकर असम में, दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने में रेल के महत्व को देखते हुए, रेल संपर्क और सेवाओं को बढ़ाने के लिए शुरू की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों, क्षेत्रीय संपर्कता में कमी आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर लगभग 7.44 लाख करोड़ रुपए की लागत पर 44,488 कि.मी. कुल लंबाई की 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरणों में हैं, जिनमें से 12,045 कि.मी. लंबाई को कमीशन किया गया है और मार्च, 2024 तक लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इस कार्य की स्थिति का सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	187	20,199	2,855	1,60,022
आमान परिवर्तन	40	4,719	2,972	18,706
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	261	19,570	6,218	1,13,742
कुल	488	44,488	12,045	2,92,470

सभी रेलवे परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्र-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

भारतीय रेल में कमीशन करने/नई पटरियां बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नये रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 किमी	4.2 किमी/दिन
2014-24	31,180 किमी	8.54 किमी/दिन (2 गुना से अधिक)

असम और पूर्वोत्तर राज्यों में रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेलवे परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 1,368 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 74,972 करोड़ रु. लागत की 18 रेल परियोजनाएं (13 नई लाइनें और 05 दोहरीकरण) योजना निर्माण/अनुमोदन/निर्माण चरणों में हैं जिनमें से 313 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 40,549 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किमी. में)	कमीशन की गई लंबाई (किमी. में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	13	896	81	34,616
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	5	472	232	5,933
कुल	18	1,368	313	40,549

असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	2,122 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	10,376 करोड़ रु. (4 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से कमीशन करने/नई रेल लाइन बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	333 किलोमीटर	66.6 कि.मी./वर्ष
2014-24	1,728 किलोमीटर	172.8 कि.मी./वर्ष (3 गुना से अधिक)

पिछले 3 वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25) में भारतीय रेल में कुल 65,488 किलोमीटर लंबाई के 933 सर्वेक्षण (299 नई लाइन, 14 आमान परिवर्तन और 620 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से कुल 2,499 किलोमीटर लंबाई के 21 सर्वेक्षण (17 नई लाइन और 04 दोहरीकरण) हैं जो पूर्णतः/अंशतः असम राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में आते हैं।

चूंकि, रेलवे नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है इसलिए, नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, ऐसी सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ियाँ शुरू की जाती हैं। बहरहाल, भारतीय रेल नई रेलगाड़ी शुरू करके, मौजूदा रेलगाड़ियों का विस्तार करके और फेरे बढ़ाकर यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने का निरंतर प्रयास करती है और तदनुसार असम राज्य के यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने 2019-20 से 2024-25 (फरवरी, 2025) की अवधि के दौरान 24 नई सेवाएँ, 20 सेवाओं का विस्तार और 14 सेवाओं के फेरे बढ़ाए हैं।

******